बिहार विधान-सभा
अष्टम् - सत्र

सोमवार, तिथि 29 जून, 1992 ई0
8 आषाढ़, 1914 सं0

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

श्री कुमुद रंजन झा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री दशरथ कुमार सिंह आमरण अनशन पर बैठे हुये हैं, कृपया उनको बुला लिया जाय ।

अध्यक्ष : शांति-शांति । यह बात सर्वसम्मत से तय हो गया है कि 11 से 12 बजे तक का समय बिहार की जनता के लिये है, विधान-सभा के विधायकों के लिये है, इसलिये इस अवधि में किसी तरह की बातें नहीं की जायेगी ।

डा0 जगन्नाथ मिश्र (नेता, विरोधी दल) : अध्यक्ष महोदय, 26 तारीख को मैंने निवेदन किया था कि सभी दल के माननीय नेताओं की बैठक बुलायी जाय और उसमें माननीय तीन विधायकों की सदस्यता जो समाप्त कर दी गई है, उस पर विचार किया जाय । आपने उसी दिन संध्या पांच बजे सभी दल के नेताओं की बैठक बुलायी, उसमें सदन नेता भी थे । उस बैठक में जो निर्णय हुआ, उसको मैं सदन के सामने प्रस्तुत करना चाहता हूं । विगत 25 मार्च को जो सदन में घटना घटी और जो भावना सदन में व्यक्त की गई, उस संदर्भ में और उस घटना के प्रति मैं अपने दल की ओर से खेद प्रकट करता हूं और इस सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो सदन की गरीमा है लोकतांत्रिक व्यवस्था में, जो परम्परा है, उसका संरक्षण हमलोगों को और इस सभा को करनी चाहिये । चूंकि सदन का संचालन मान्य सिद्धांतों के आधार पर किया जाता है और किया जाता रहेगा, इस संबंध में मैं सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि 25 मार्च 1992 को जो प्रस्ताव स्वीकृत हुआ था विधान सभा में तीन सदस्यों की सदस्यता समाप्ति के संबंध में, उसकी वापसी के संबंध में सदन विचार करे, यही मेरा निवेदन है ।

श्री लालमुनि चौबे : अध्यक्ष महोदय, विरोधी दल के नेता डा0 जगन्नाथ मिश्र ने जो विचार व्यक्त किया है, उसका मैं समर्थन करता हूं ।

टर्न-4/राहुल-विद्या
29. 6. 92

अध्यक्ष : अब तारांकित प्रश्न लिये जायेंगे ।

तारांकित प्रश्न सं0-51.

श्री उपेन्द्र प्र0 वर्मा, मंत्री: अध्यक्ष महोदय,

-1 उत्तर स्वीकारात्मक है ।

-2 उत्तर स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि तीनों थानों में भवन निर्माण हेतु भू-अर्जन संबंधी कार्रवाई चल रही है ।

3 भू-अर्जन के पश्चात् भवन निर्माण संबंधी कार्रवाई की जाएगी ।

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, पिछले 10 वर्षों से इस सेसन में हमने इस प्रश्न को पूछा है और सरकार का उत्तर इसी तरह का आता रहा है कि भू-अर्जन की कार्रवाई हो रही है, कार्रवाई होने के बाद वहां भवन निर्माण किया जाएगा । मैं सरकार से निश्चित तौर पर जानना चाहता हूं कि सरकार कब तक भू-अर्जन की कार्रवाई को पूरा कर लेना चाहती है । पंद्रह वर्षों से यह मामला चला आ रहा है । इसलिए सरकार कब तक जमीन अधिग्रहित कर भवन निर्माण कराने जा रही है ?

श्री राजो सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कहते हैं कि 10 वर्षों से ये यह प्रश्न पूछते चले आ रहे हैं । बीच बीच में एक वर्ष तो इसी तरह का जबाव ये भी देते रहे थे, क्या उनके समय में यह नहीं आया था, यह इनसे पूछा जाए ।

श्री उपेन्द्र प्र0 वर्मा: अध्यक्ष महोदय, सारी औपचारिकताएं पूरी कर लेने के बाद कार्रवाई की जाएगी ।

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, कब तक पूरी की जाएगी, क्या सरकार कोई टाईम लिमिट बताना चाहेगी ?

श्री उपेन्द्र प्र0 वर्मा: अध्यक्ष महोदय, शीघ्र किया जाएगा ।

टर्न-४/क्विया/राहुल/२९-६-९२

श्री महेन्द्र झा "आजाद" : अध्यक्ष महोदय, सारे राज्य में बहुत से थानों का मकान नहीं है, मकान का अभाव है , क्या सरकार यह बतलायेगी कि इन सभी स्थानों में, जिनको मकान नहीं है, कितने दिनों के अन्दर भवन का निर्माण करवा देगी ? यह एक जगह की बात नहीं है, कई जगहों पर रोड पर थाना चल रहा है, वहां पर पुलिस पहरा देती रायफल लेकर, इसलिये सरकार यह बतलाये कि कब तक भवनहीन थानों में मकान का निर्माण करा देगी ?

श्री विजय कुमार चौधरी : अध्यक्ष महोदय, इसी तरह का मेरा भी एक प्रश्न है, तारांकित प्रश्न संख्या-६५, इसका भी जवाव इसके साथ साथ दिलवा दिया जाय ।

(जवाव नहीं दिया गया)

तारांकित प्रश्न संख्या- ५२

अध्यक्ष : उत्तर संलग्न है । माननीय सदस्य, अब पूरक पूछें ।

श्री मोहरीलाल मूरमू : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो जवाव दिया है, वह स्पष्ट नहीं है । मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि "होड़ सोम्वाद" के नियमित प्रकाशन के लिये सरकार कौन सी व्यवस्था करना चाहती है ?

श्री मोहम्मद सुलेमान (मंत्री) : जवाव स्पष्ट है, जो मांग की गयी है, उसकी पूर्ति कर देंगे ।

श्री स्टीफन मरांडी : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो जवाव दिया है, उसमें कुछ स्पष्ट नहीं है । सरकार स्पष्ट रुप से यह बतलाये कि संताली साप्ताहिक "होड़ सोम्वाद" के नियमित प्रकाशन के लिये गुलजारबाग प्रेस से उनको नियमित रुप से कागज की आपूर्ति हो या कोई दूसरा विकल्प के लिये सरकार कौन सा कदम उठाना चाहती है ?

श्री मोहम्मद सुलेमान (मंत्री) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर में स्पष्ट कर दिया गया है कि सरकार नियमित प्रकाशन के लिये प्रयत्नशील है , कोशिश में हैं, जल्द से जल्द हो जायगा, इससे स्पष्ट और क्या उत्तर हो सकता है ?